M.A.Final Hindi
Annual Scheme 2018

Helpstudentpoint.com

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2018

वार्षिक

इस वार्षिक परीक्षा में पाँच लिखित प्रश्न–पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि और 100 अंकों का होगा। पूर्णांक 500 होंगे।

अनिवार्य प्रश्न–पत्र :

प्रथम प्रश्न–पत्र : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
द्वितीय प्रश्न–पत्र : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा
तृतीय प्रश्न–पत्र : प्रयोजनमूलक हिन्दी

वैकल्पिक प्रश्न–पत्र :

चतुर्थ प्रश्न–पत्र : वैकल्पिक प्रश्न–पत्र (कोई एक)

(क) आदिकाल
(ख) भक्तिकाल
(ग) रीतिकाल
(घ) छायावादोत्तर काव्य
(ङ) हिन्दी उपन्यास

पंचम प्रश्न–पत्र : वैकल्पिक प्रश्न–पत्र (कोई एक)

(क) लोक साहित्य
(ख) भारतीय साहित्य
(ग) नवविमर्श
(घ) पाठालोचन

Helpstudentpoint.com

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2018

प्रथम प्रश्न–पत्र

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

इकाई 1 : **संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो** (सं.), हजारीप्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह
(निर्धारित अंश–शशिव्रता विवाह प्रस्ताव)

कबीर ग्रन्थावली–(सं.) श्यामसुन्दरदास

निर्धारित अंश–

गुरुदेव कौ अंग, साखी 1, 2, 6, 9, 11, 22, 24, 28, 30, 31	= 10
सुमिरन कौ अंग, साखी 1, 5, 7, 9, 27, 32	= 6
विरह कौ अंग, साखी 8, 18, 20, 23, 30, 32, 35, 44	= 8
ग्यान विरह कौ अंग, साखी 3, 4, 6, 7, 8, 10	= 6
परचा कौ अंग, साखी 1, 3, 4, 8, 9, 17, 22, 23, 39, 45	= 10
लै कौ अंग, साखी 1, 2, 3	= 3
निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग, साखी 1, 2, 4, 5, 7, 16, 17	= 7
	कुल 50 साखी

पद संख्या – 1, 7, 8, 10, 11, 16, 23, 32, 39, 40, 43, 55, 64, 69, 70,
= कुल 15 पद

इकाई 2 : **पद्मावत**–जायसी (सं.) वासुदेवशरण अग्रवाल (निर्धारित अंश–सिंहलद्वीप वर्णन खण्ड, नखशिख खण्ड)
भ्रमरगीत सार–सूरदास (सं.) रामचन्द्र शुक्ल (निर्धारित अंश–पद संख्या 51 से 100 तक)

इकाई 3 : **रामचरितमानस**–तुलसीदास, गीताप्रेस, गोरखपुर (निर्धारित अंश–उत्तरकांड, दोहा संख्या 36 से 86 तक)
घनआनन्द–कबित्त–(सं.) विश्वनाथप्रसाद मिश्र (निर्धारित अंश–प्रथम 50 छंद)

इकाई 4 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि**– 1. सरहपाद 2. गोरखनाथ 3. हेमचन्द्र 4. विद्यापति 5. मीराँबाई

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि**– 1. रहीम 2. रसखान 3. केशवदास 4. बिहारी 5. गुरु गोविन्द सिंह

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या तथा इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न
(शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों /कवियों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–

पृथ्वीराज रासो की भाषा : नामवरसिंह
कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
जायसी ग्रंथावली (भूमिका) : रामचन्द्र शुक्ल
सूर और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा
तुलसीकाव्य मीमांसा : उदयभानुसिंह
घनानन्द काव्यवैभव : मनोहरलाल गौड़
सिद्ध–साहित्य : धर्मवीर भारती
नाथ सम्प्रदाय : हजारीप्रसाद द्विवेदी
विद्यापति : शिव प्रसाद सिंह
मीरा : जीवन और काव्य : सी.एल. प्रभात
रसखान और उनका काव्य : चन्द्रशेखर पाण्डेय
केशव की काव्य चेतना : विजयपाल सिंह
बिहारी : विश्वनाथप्रसाद मिश्र

Helpstudentpoint.com

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2018

द्वितीय प्रश्न–पत्र

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

इकाई 1 : भाषा और भाषा विज्ञान–भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण।
भाषा विज्ञान : स्वरूप एवं व्याप्ति, अंग, अध्ययन की दिशाएँ– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई 2 स्वन प्रक्रिया–स्वन एवं ध्वनि विज्ञान का स्वरूप, स्वन एवं स्वनिम की अवधारणा, वाग्यंत्र और उनके कार्य, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएँ। स्फोट एवं ध्वनि। रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद–मुक्त–आबद्ध, अर्थदर्शी और सम्बन्धदर्शी, सम्बन्ध दर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य।

इकाई 3 : वाक्य की अवधारणा, वाक्य–परिवर्तन के कारण और दिशाएँ, वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण, निकटस्थ अवयव–विश्लेषण, गहन–संरचना और बाह्य संरचना।
अर्थ–विज्ञान–अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ–परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।

इकाई 4 : हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि–प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ–वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ–पालि, प्राकृत तथा अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण। हिन्दी का भौगोलिक विस्तार–हिन्दी की उपभाषाएँ–पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ।

इकाई 5 : हिन्दी का भाषिक स्वरूप–हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था–खण्ड्य, खण्ड्येतर। हिन्दी शब्द रचना–उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूप रचना–लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के सन्दर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया–रूप। हिन्दी वाक्य–रचना–पदक्रम और अन्विति। देवनागरी लिपि–उद्‌भव और विकास, विशेषताएँ।

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द)
10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से एक–एक विकल्प सहित (कुल पाँच) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द)
5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–

भाषा (ब्लूमफील्ड) : (अनु.) विश्वनाथ प्रसाद
भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा
भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
आधुनिक भाषाविज्ञान : राजमणि शर्मा
हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास : उदयनारायण तिवारी
हिन्दी भाषा : भोलानाथ तिवारी
भाषा और हिन्दी भाषा का इतिहास : नरेश मिश्र
हिन्दी भाषा : हरदेव बाहरी
भाषा का समाजशास्त्र : राजेन्द्र प्रसाद सिंह

Hellostudentpoint.com

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2018

तृतीय प्रश्न–पत्र

प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई 1 – प्रयोजनमूलक हिन्दी से अभिप्राय और उसकी परिव्याप्ति। हिन्दी के विविध रूप – सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम भाषा, संचार भाषा। हिन्दी की सांविधानिक स्थिति – अनुच्छेद 343 से 351, राजभाषा अधिनियम 1963 (यथा संशोधित 1967), राजभाषा संकल्प 1968 (यथानुमोदित 1991), राजभाषा नियम 1976 । हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि का मानकीकरण।

इकाई 2 – कार्यालयी हिन्दी के प्रमुख प्रकार्य – प्रारूपण– पत्रलेखन , टिप्पणी, संक्षेपण, पल्लवन। पारिभाषिक शब्दावली – स्वरूप एवं महत्त्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धान्त, कार्यालयी एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग।

इकाई 3 – हिन्दी में माध्यमोपयोगी लेखन – मुद्रित माध्यम (समाचार पत्र)– समाचार लेखन। श्रव्य माध्यम (रेडियो) – समाचार लेखन एवं वाचन, उद्घोषणा लेखन, रेडियो नाटक। दृश्य – श्रव्य माध्यम (टेलीविजन) –दृश्य एंव श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वायस ओवर), साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तरण। विज्ञापन लेखन। न्यू मीडिया लेखन ।

इकाई 4 – हिन्दी कम्प्यूटिंग – कम्प्यूटर– परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र। वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा प्रोसेसिंग,फॉण्ट प्रबन्धन।

इंटरनेट–सम्पर्क उपकरणों का परिचय,वेब पब्लिशिंग, ई–मेल भेजना/प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउन लोडिंग व अपलोडिंग। हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज। हिन्दी कम्प्यूटर टाइप की विधियाँ ।

इकाई 5 – अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र , प्रक्रिया एवं परिधि। कार्यालयी अनुवाद। वैज्ञानिक अनुवाद। विधिक अनुवाद। वाणिज्यिक अनुवाद। पुनरीक्षण (वैट्टिंग)। आशु अनुवाद।

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो– दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न
(शब्द सीमा 30 शब्द) 10X 2= 20 अंक

खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणीपरक प्रश्न
(शब्द सीमा 250 शब्द) 5X 7= 35 अंक

खण्ड (ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक (कुल पाँच) आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3X 15= 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

प्रयोजनमूलक हिन्दी – नसीम–ए–आजाद
प्रयोजनपरक हिन्दी – विजय कुलश्रेष्ठ
प्रशासन में राजभाषा हिन्दी – कैलाशचन्द्र भाटिया
प्रशासनिक शब्दावली (अंग्रेजी–हिन्दी) – वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली
मीडिया लेखन और जनसंचार – मुश्ताक अली
कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
अनुवाद : समस्याएँ और संदर्भ – गजानन चह्वाण
अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा – सुरेश कुमार

Helpstudentpoint.com

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2018
चतुर्थ प्रश्न–पत्र
वैकल्पिक प्रश्न–पत्र

नोटःनिम्नलिखित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न–पत्र का चयन करना होगा।

(क) आदिकाल

इकाई 1 : **गोरखबानी** (सं.) पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल (निर्धारित अंश–प्रथम पच्चीस सबदी)
ढोला मारू रा दूहा (सं.) रामसिंह, सूर्यकरण पारीक, नरोत्तमदास स्वामी (निर्धारित अंश–छन्द संख्या 451 से 475 तक)

इकाई 2 : **संदेशरासक**–अब्दुर्रहमान, (सं.) हजारीप्रसाद द्विवेदी तथा विश्वनाथ त्रिपाठी (निर्धारित अंश–तृतीय प्रक्रम),
बीसलदेव रास–नरपति नाल्ह (सं.) माताप्रसाद गुप्त तथा अगरचन्द नाहटा (निर्धारित अंश–प्रथम पच्चीस छन्द)

इकाई 3 : **कीर्तिलता**–विद्यापति (सं.) शिवप्रसाद सिंह (निर्धारित अंश–प्रथम पल्लव)
अमीर खुसरो (सं.) भोलानाथ तिवारी (निर्धारित अंश–गीत, कव्वाली, फारसी–हिन्दी मिश्रित छन्द, सूफी दोहे, गज़ल)

इकाई 4 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि**– 1. कण्हपा 2. मुंज 3. हेमचन्द्र 4. शालिभद्र सूरि 5. देवसेन

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि**– 1. नामदेव 2. विद्याधर 3. चन्दवरदाई 4. जगनिक 5. जज्जल

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या
इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों/कवियों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–

हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारीप्रसाद द्विवेदी
सिद्ध साहित्य : धर्मवीर भारती
नाथ सम्प्रदाय : हजारीप्रसाद द्विवेदी
हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग : नामवर सिंह
हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी

Helpstudentpoint.com

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2018
चतुर्थ प्रश्न–पत्र
वैकल्पिक प्रश्न–पत्र

(ख) भक्तिकाल

इकाई 1 : **रैदास जी की बानी**–बेलवीडियर प्रिण्टिंग वर्क्स, इलाहाबाद (निर्धारित अंश–प्रथम 25 पद)
मधुमालती–मंझन, (सं.) माताप्रसाद गुप्त (निर्धारित अंश–छन्द संख्या 26 से 50 तक)

इकाई 2 : **रास पंचाध्यायी**–नन्ददास, (सं.) उदयनारायण तिवारी (निर्धारित अंश–द्वितीय अध्याय)
रामचन्द्रिका–केशवदास, (सं.) लाला भगवानदीन (निर्धारित अंश–सातवाँ प्रकाश)

इकाई 3 : **मीराँ मुक्तावली**–(सं.) नरोत्तमदास स्वामी (निर्धारित अंश–प्रथम 25 पद)
रसखानि–(सं.) विश्वनाथप्रसाद मिश्र (निर्धारित अंश–प्रारम्भ के 25 छन्द)

इकाई 4 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि**– 1. कबीर 2. दादू 3. सुन्दरदास 4. सहजोबाई 5. मुल्ला दाउद

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि**– 1. जायसी 2. सूरदास 3. हित हरिवंश 4. तुलसीदास 5. गुरु नानकदेव

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द)
10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों/कवियों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।
(शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

भक्ति का विकास : मुंशीराम शर्मा
हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय : पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
भक्तिकाल की सामाजिक–सांस्कृतिक चेतना : प्रेमशंकर
वैष्णव भक्ति आन्दोलन का अध्ययन : मलिक मोहम्मद
नन्ददास : विचारक, रसिक, कलाकार : रूपनारायण
केशव की काव्यकला : कृष्णशंकर शुक्ल
मीराँ : जीवनवृत्त एवं काव्य : कल्याणसिंह शेखावत
कबीर : एक नई दृष्टि : रघुवंश
सूरदास : मैनेजर पाण्डेय
गोसाईं तुलसीदास : विश्वनाथप्रसाद मिश्र
मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य : शिवसहाय पाठक
संत दादू और उनका काव्य : भगवत मिश्र
सुन्दरदास : त्रिलोकीनारायण दीक्षित

Helpstudentpoint.com

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2018

चतुर्थ प्रश्न–पत्र

वैकल्पिक प्रश्न–पत्र

(ग) रीतिकाल

इकाई 1 : **कवित्त–रत्नाकर**–सेनापति, (सं.) उमाशंकर शुक्ल, हिन्दी परिषद् प्रकाशन, प्रयाग विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (निर्धारित अंश–प्रथम तरंग, छन्द संख्या 11 से 35 तक)
बिहारी–रत्नाकर, (सं.) जगन्नाथदास 'रत्नाकर' (निर्धारित अंश–दोहा संख्या 31 से 60 तक)

इकाई 2 : **सुखसागर तरंग**, (देव–ग्रन्थावली), (सं.) डॉ. पुष्पारानी जायसवाल, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद (निर्धारित अंश– छन्द संख्या 82 से 116 तक)
विरही सुभान दंपति विलास (बोधा–ग्रन्थावली), (सं.) विश्वनाथप्रसाद मिश्र, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी (निर्धारित अंश–प्रथम खण्ड)

इकाई 3 : **भूषण–ग्रन्थावली**, (सं.) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (निर्धारित अंश–प्रकीर्णक–प्रथम 25 छन्द)
नीति–सतसई (वृन्द ग्रन्थावली) (सं.) जनार्दन राव चेलेर (निर्धारित अंश–प्रथम पचास दोहे)

इकाई 4 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि**– 1. केशवदास 2. मतिराम 3. पद्माकर 4. घनानन्द 5. आलम

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि**– 1. ठाकुर 2. द्विजदेव 3. गिरिधर कविराय 4. सूदन 5. गुरु गोविन्दसिंह

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द)
10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों/कवियों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द)
3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

रीतिकाव्य की भूमिका : नगेन्द्र
हिन्दी साहित्य का अतीत (दूसरा भाग) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
रीतिमुक्त स्वच्छन्द काव्यधारा : मनोहरलाल गौड़
हिन्दी नीति काव्य : भोलानाथ तिवारी
बिहारी का नया मूल्यांकन : बच्चनसिंह
महाकवि मतिराम : त्रिभुवनसिंह
भूषण : साहित्यिक एवं ऐतिहासिक अनुशीलन : भगवानदास तिवारी
वृन्द और उनका साहित्य : जनार्दनराव चेलेर
केशव की काव्यकला : कृष्णशंकर शुक्ल
घनानन्द : काव्य और आलोचना : किशोरीलाल
रीतिकालीन हिन्दी वीरकाव्य : भगवानदास तिवारी
भक्तिकाल में रीतिकाव्य की प्रवृत्तियाँ और सेनापति : शम्भुनाथसिंह

HelpStudentPoint.com

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2018
चतुर्थ प्रश्न–पत्र
वैकल्पिक प्रश्न–पत्र
(घ) छायावादोत्तर काव्य

इकाई 1 : **प्रवाद पर्व**–नरेश मेहता
अन्धायुग–धर्मवीर भारती

इकाई 2 : **कुछ और कविताएँ**–शमशेर बहादुर सिंह (निर्धारित कविताएँ–बात बोलेगी, सूरज उगाया जाता, ऐसा ही प्रण, धूप कोठरी के आईने में खड़ी, घिर गया है समय का रथ, लौट आ ओ धार, हार–हार समझा मैं, टूटी हुई बिखरी हुई, मूँद लो आँखें, सींग और नाखून = कुल 10)
कोई दूसरा नहीं–कुँवर नारायण (निर्धारित कविताएँ–उत्क्रेन्द्रित, अब की अगर लौटा तो, दुनिया को बड़ा रखने की कोशिश, सम्मेदीन की लड़ाई, यह कैसी विवशता है, एक दूसरे से कटकर, यकीनों की जल्दबाजी से, कविता , कविता की जरूरत , स्पष्टीकरण = कुल 10)

इकाई 3 :**संसद से सड़क तक**–धूमिल (निर्धारित कविताएँ–अकालदर्शन, मोचीराम, प्रौढ़ शिक्षा, कवि 1970, पटकथा = कुल 5)
कल सुनना मुझे–धूमिल (निर्धारित कविताएँ–रोटी और संसद, अन्तर, दूसरे का घर, मैं हूँ, कविता के द्वारा हस्तक्षेप = कुल 5)
साये में धूप – दुष्यंत कुमार।

इकाई 4 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि**– 1. शिवमंगल सिंह 'सुमन' 2. त्रिलोचन शास्त्री 3. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना 4. गिरिजाकुमार माथुर 5. रघुवीर सहाय

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि**– 1. श्रीकांत वर्मा 2. भवानीप्रसाद मिश्र 3. केदारनाथ सिंह 4. अरुण कमल 5. राजेश जोशी

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द)10 X 2 = 20 अंक
खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या तथा इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक
खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों/कवियों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–
नयी कविता : सीमाएँ और सम्भावनाएँ : गिरिजाकुमार माथुर
समकालीन कविता : सुन्दरलाल कथूरिया
समकालीन कविता का व्याकरण : परमानन्द श्रीवास्तव
कवियों का कवि शमशेर : रंजना अरगड़े
रघुवीरसहाय का कविकर्म :सुरेश शर्मा
धूमिल और उनका काव्य संघर्ष : ब्रह्मदेव मिश्र
क्योंकि रचना बोलती है : कौशलनाथ उपाध्याय
हिन्दी ग़ज़ल के विविध आयाम : सरदार मुजावर

Hotstudentpoint.com

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2018
चतुर्थ प्रश्न–पत्र
वैकल्पिक प्रश्न–पत्र

(ङ) हिन्दी उपन्यास

इकाई 1 : **बाणभट्ट की आत्मकथा**–हजारीप्रसाद द्विवेदी
मृगनयनी–वृन्दावनलाल वर्मा

इकाई 2 : **शेखर एक जीवनी** (भाग 1 व 2)–अज्ञेय
तमस–भीष्म साहनी

इकाई 3 : **कब तक पुकारूँ**–रांगेय राघव
आपका बंटी–मन्नू भंडारी

इकाई 4 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित उपन्यासकार**– 1. लाला श्रीनिवासदास 2. प्रेमचन्द 3.चतुरसेन शास्त्री 4. भगवतीचरण वर्मा 5. अमृतलाल नागर

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित उपन्यासकार**– 1. श्रीलाल शुक्ल 2. शिवप्रसाद सिंह 3. राही मासूम रजा 4. कृष्णा सोबती 5. चित्रा मुद्गल

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित उपन्यासों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या
इकाई चार, पाँच में निर्धारित उपन्यासकारों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित उपन्यासों/उपन्यासकारों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

उपन्यास का स्वरूप : सुषमा प्रियदर्शिनी
हिन्दी उपन्यास : बदलते संदर्भ : शशिभूषण सिंहल
हिन्दी के आंचलिक उपन्यास : सिद्धान्त और समीक्षा : बंशीधर
अज्ञेय की उपन्यास यात्रा : अरविन्दाक्षन
प्रेमचन्द की भाषा : कौशलनाथ उपाध्याय
हिन्दी उपन्यास : संबंधों के विविध आयाम : श्रवणकुमार मीणा

Helpstudentpoint.com

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2018

पंचम प्रश्न–पत्र

वैकल्पिक प्रश्न–पत्र

नोट : निम्नलिखित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न–पत्र का चयन करना होगा।

(क) लोकसाहित्य

इकाई 1 : लोक और लोकवार्ता, लोकमानस और लोकतत्त्व। लोकसंस्कृति–अवधारणा, लोकवार्ता और लोकसंस्कृति, लोकसंस्कृति और साहित्य।
लोकसाहित्य–अवधारणा, लोकसाहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध। लोक साहित्य के विशिष्ट अध्येता। लोकसाहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएँ, लोक साहित्य के अध्ययन के सम्प्रदाय–पाश्चात्य एवं भारतीय।

इकाई 2 : लोकसाहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण–लोकगीत, लोक–नाट्य, लोककथा, लोकगाथा, लोकोक्ति साहित्य–परिभाषा एवं वर्गीकरण।
लोकगीत–संस्कार गीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत।
लोकनाट्य–रामलीला, स्वांग, यक्षगान, भवाई, माच, तमाशा, नौटंकी, जात्रा, कथकली।

इकाई 3 : लोककथा–व्रतकथा, परीकथा, नागकथा, बोधकथा। कथानक रूढ़ियाँ एवं अभिप्राय, लोककथा निर्माण में अभिप्राय (MOTIF)।
लोकगाथा–लोकगाथा की भारतीय परम्परा, लोकगाथा की सामान्य प्रवृत्तियाँ, लोकगाथा प्रस्तुति, प्रसिद्ध लोकगाथाएँ–ढोला–मारू, गोपीचन्द–भरथरी, लोरिकायन, नल–दमयन्ती, लैला–मजनूँ, हीर–राँझा, सोहनी–महीवाल।
लोकोक्ति साहित्य–पहेलियाँ, कहावतें।

इकाई 4 : राजस्थानी लोकगीत–वर्गीकरण एवं प्रतिपाद्य, राजस्थानी लोकगीतों में निरूपित संस्कृति।
राजस्थानी लोककथा–वर्गीकरण, छोगे एवं बात बणाव।
राजस्थानी लोकगाथा–वर्गीकरण, प्रमुख लोकगाथाओं–पाबूजी री पड़, बगड़ावत, वीर तेजा, भारत का परिचय।

इकाई 5 : राजस्थानी लोकनाट्य–विविध रूपों–ख्याल, तमाशा, स्वाँग, नौटंकी, तुर्राकलंगी, रम्मत का परिचयात्मक अध्ययन।
राजस्थानी लोकनृत्य–घूमर, अग्निनृत्य, चरीनृत्य, तेराताली, डाण्डिया–गेर।
राजस्थानी लोकवाद्य।
राजस्थानी लोक कलाएँ–माण्डणा, मेहँदी, पटचित्र, भित्तिचित्र।
राजस्थानी लोकोत्सव।
राजस्थानी लोक–संस्कृति का स्वरूप एवं वैशिष्ट्य।

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द)	10 X 2 = 20 अंक
खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द)	5 X 7 = 35 अंक
खण्ड (ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जाएगा, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द)	3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

लोकसाहित्य विज्ञान : सत्येन्द्र
लोकसाहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय
लोकसाहित्य का अध्ययन : त्रिलोचन पाण्डेय
लोकधर्मी नाट्य परम्परा : श्याम परमार
भारतीय लोकसाहित्य की रूपरेखा : दुर्गा भागवत
हिन्दी साहित्य का वृहद् इतिहास : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी (16वाँ खण्ड)
संस्कृति के चार अध्याय : रामधारीसिंह 'दिनकर'
राजस्थानी लोकसाहित्य के अध्ययन के आयाम : रामप्रसाद दाधीच
राजस्थानी लोकगाथा : एक अध्ययन : कृष्ण कुमार शर्मा
राजस्थानी लोकसाहित्य : नानूराम संस्कर्ता
लोकगीत की सत्ता : सुरेश गौतम

Helpstudentpoint.com

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2018
पंचम प्रश्न–पत्र
वैकल्पिक प्रश्न–पत्र

(ख) भारतीय साहित्य

इकाई 1 : **पांचाली शपथम्** (खंडकाव्य–तमिल)–सुब्रह्मण्य भारती, रूपांतरकार –नागेश्वर सुन्दरम्, विश्वनाथ सिंह 'विश्वासी', ग्रंथ सदन, दिल्ली, प्रथम संस्करण–2007

ख्वाब का दर बन्द है (काव्य– उर्दू) – शहरयार, निर्धारित अंश (केवल ग़ज़ल) साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण–1996

इकाई 2 : **अग्निगर्भ** (उपन्यास–बंगला) – महाश्वेता देवी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, दूसरा संस्करण–2008

मृत्युंजय (उपन्यास–असमिया)–वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य, अनुवादक – डॉ0 कृष्णप्रसाद सिंह मागध, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली संस्करण – 2003

इकाई 3 : **घासीराम कोतवाल** (नाटक–मराठी) – विजय तेन्दुलकर, अनुवादक – वसंत देव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, पहली आवृत्ति– 2008

तीसरा प्राणी (कहानी संग्रह – ओड़िया) – मनोजदास, अनुवादक – श्रवण कुमार, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली प्रथम संस्करण–1992 (निर्धारित कहानियाँ– खोयी हुई टोपी का रहस्य , वापसी, वह नाजुक पौधा, जुड़वाँ, साक्षात्कार, वह शाम, तीसरा प्राणी, मन का ज्ञान, वीराना, सहानुभूति = कुल दस)

इकाई 4 : **पाठ्य विषय** – भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब, भारतीय साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति, भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता।

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित रचनाकार** – 1. वीरेश लिंगम् पंतुलु (तेलुगु) 2. गिरीश कर्नाड (कन्नड़), 3. के.जी. शंकर पिल्लै (मलयालम), 4. कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी (गुजराती), 5. पाश (पंजाबी)

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य कृतियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या तथा इकाई चार, पाँच में से निर्धारित पाठ्य विषयों तथा रचनाकारों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन, चार में निर्धारित कृतियों/कृतिकारों/पाठ्य विषयों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।
(शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें –

भारतीय साहित्य – भोलाशंकर व्यास
भारतीय साहित्य – (सं0) नगेन्द्र
भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – रामविलास शर्मा
भारतीय साहित्य – रामछबीला त्रिपाठी
भारतीय साहित्य – मूलचन्द गौतम
तमिल साहित्य : एक झाँकी – एम. शेषन्
तमिल नवजागरण और सुब्रह्मण्य भारती – एम. शेषन
कन्नड़ साहित्य का इतिहास – एस. मुगली (अनुवादक) सिद्ध गोपाल
मलयालम साहित्य का इतिहास – पी.के. परमेश्वरन नायर (अनुवादक) सी.आर. नानप्पा
बंगला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन (अनुवादक) – निर्मला जैन

Hpstudentpoint.com

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2018
पंचम प्रश्न–पत्र
वैकल्पिक प्रश्न–पत्र
(ग) नव विमर्श

इकाई 1 : **गिलीगडु** – चित्रा मुद्गल,सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली ।
नई सदी की पहचान : श्रेष्ठ महिला कथाकार –– सम्पादक– ममता कालिया,लोक भारती प्रकाशन,इलाहाबाद (कुल 10 कहानियाँ– सिक्का बदल गया–कृष्णा सोबती, तीसरा हिस्सा–मन्नू भंडारी, मलबा–मंजुल भगत, तीन किलो की छोरी–मृदुला गर्ग, बन्तों–नमिता सिंह, पाँचवाँ बेटा– नासिरा शर्मा, एक पेड़ की मौत–अलका सरावगी, महानगर की मैथिली–सुधा अरोड़ा, सुनन्दा छोकरी की डायरी–सूर्यबाला, आपकी छोटी लड़की–ममता कालिया)

इकाई 2 : **'जूठन'** – ओमप्रकाश वाल्मीकि, भाग–1, राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली
कहानियाँ : 'साजिश'–सूरजपाल चौहान, 'अपना गाँव'–मोहनदास नैमिशराय, खेत' – रत्नकुमार सांभरिया, 'सिलिया'–सुशीला टाकभोरे, 'सुरंग' – दयानन्द बटोही, 'अंगारा' – कुसुम मेघवाल, नो बार – जयप्रकाश कर्दम, भूख–सी.बी. भारती, अस्थियों के अक्षर – श्यौराज सिंह बेचैन, 'हरिजन' – प्रेम कापड़िया

इकाई 3 : **जंगल–जंगल जलियांवाला**' – हरिराम मीणा (यात्रावृत्तान्त), प्रकाशक– श्ल्पायन, दिल्ली
कविताएँ : 'धरोहर' – प्रभात, 'चुड़का सोरेन से' – निर्मला, पुतुल, 'आ मेरे बिरसा' – भुजंग मेश्राम
'हे समय के पहरेदार–ग्रेस कुंजूर, 'संघर्ष जारी है' – सरिता बडाइक,
'अघोषित उलगुलान' – अनुज लुगुन, 'नाल का जंगल' – महादेव टोप्पो,
'हरियल जंगल में'– वाहन सोनवणे, उलीहातू – सुरेन्द्र नायक

इकाई 4 : **सैद्धान्तिक पक्ष**
1. स्त्री विमर्श : अर्थ एवं स्वरूप,
2. दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप,
3. आदिवासी साहित्य : स्वरूप, और अवधारणा,
4. प्रवासी साहित्य : स्वरूप एवं अवधारणा।

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित रचनाकार** – 1. अभिमन्यु अनत 2. तेजेन्द्र शर्मा, 3. मैत्रेयी पुष्पा, 4. कौशल्या बैसन्त्री, 5. रामदयाल मुंडा।

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक,दो,तीन में निर्धारित पाठ्य कृतियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या तथा इकाई चार, पाँच में निर्धारित पाठ्य विषयों तथा रचनाकारों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द)5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक,दो, तीन, चार में निर्धारित कृतियों/कृतिकारों/ पाठ्य विषयों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द)

3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें –

स्त्री का मानचित्र : अनामिका
साहित्य के प्रतिरोधी स्वर : किशोरीलाल रैगर
स्त्री विमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य – के.एम. मालती
दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र : ओमप्रकाश वाल्मीकि
दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र : शरण कुमार लिम्बाले
दलित साहित्य आंदोलन : चन्द्र कुमार बरठे
आधुनिक भारत का दलित आंदोलन : आर. चन्द्रा तथा कन्हैयालाल चन्चारिक
आदिवासी कौन – रमणिका गुप्ता
आदिवासी संघर्ष गाथा – विनोद कुमार
साहित्य चिंतन के विविध पक्ष – श्रवण कुमार मीणा
विश्व हिन्दी रचना – सं0 कमल किशोर गोयनका
विश्व भाषा हिन्दी – महावीरसरन जैन

Helpstudentpoint.com

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2018
पंचम प्रश्न–पत्र
वैकल्पिक प्रश्न–पत्र
(घ) पाठालोचन

इकाई 1 : पाठालोचन–नामकरण, परिभाषा, आवश्यकता, उद्देश्य, हस्तलिखित ग्रन्थों की विशेषताएँ, पाठ–सम्पादन के सोपान।

इकाई 2 : ग्रन्थानुसन्धान तथा आधार सामग्री की खोज–संस्थागत सम्पर्क, व्यक्तिगत सम्पर्क, पाण्डुलिपियों का वंश–वृक्ष निर्माण, पाठ का तिथि–निर्धारण, पाठ–विकृतियाँ–कारण, पाठ–विकृतियों का वर्गीकरण, प्रकार, प्रक्षिप्त पाठ की पहचान।

इकाई 3 : पाठ–निर्धारण और लिपि विज्ञान, पाठ–निर्धारण और छन्दोविद्या, पाठानुसन्धान में प्रयुक्त प्रमाणावली, लिप्यान्तरण की समस्याएँ।

इकाई 4 : पाठालोचन की प्रणालियाँ, पाठ–चयन, पाठ–सुधार, उच्चतर आलोचना।

इकाई 5 : हिन्दी–पाठानुसन्धान का इतिहास, हिन्दी–पाठानुसन्धान के मानक ग्रन्थ–रामचरितमानस–आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र, पद्मावत–डॉ. माताप्रसाद गुप्त, कवित्त–रत्नाकर–उमाशंकर शुक्ल बिहारी– रत्नाकर – जगन्नाथदास 'रत्नाकर', केशव–ग्रन्थावली–आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र।

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द)

10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जाएगा, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–

भारतीय पाठालोचन की भूमिका : एस.एम. कात्रे (अनु.) उदयनारायण तिवारी
पाण्डुलिपि विज्ञान : सत्येन्द्र
पाठानुसंधान : सियाराम तिवारी
पाठानुसंधान : माताप्रसाद गुप्त
पाठालोचन के सिद्धान्त : गोविन्दनाथ राजगुरु

Helpstudentpoint.com